

मां सख्यं विद्या

रुतः ॥ निरुयगस्य निरुयक यत्कृतननसंनयिवस्व
 मातु ॥ ॐ तिगुयनकथानमां निरुयगमायिअव
 नयां यदुयवकुयनभाददभायनसांयन ॥ ॥
 ॐ तिगीस्व नयना (नकाजिस्व) (नरुनिरुयननामावली
 मातु समाप ॥ ॥ योयकमु ४ आदित्यगानथकुरु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नवी न नीलदध्ना र्मनी लब्ध
वनला चनी । वल्लवी नन्दनी वन्दे कर्षु भगवा लक्ष्म
यिनी ॥ १ ॥ सुनन्द हृदला दहनी लक्ष्मि विरमू ह
र्ष । कदम्ब कृष्णमा ह्लासि वनमा ला वि विर्त ॥ २ ॥

हृ १

गण्डमण्डलसंसर्गि चलाका न कृणु ल । क्लृप्तम
का हला वा न ला या या फि व द्द ॥ ३ ॥ हमा हृद
ण ला का ठि कि ली ठा हल वि ग्रह । मन्दमा गृह संका
र व र्जिता म्ब न सं व र्थ ॥ ४ ॥ न वि मो म्ब य् ठ न्य सर्व

श्रीमध्वनः खनेषा तस्य द्वापालिका वना माह सुनैम्
कुम्भे कुम्भा ॥ वल्लवी वदना म्हाजमध्वानमप्रत ।
क्षारयके मनसा सां सस्मरायां गवी कुल्लेश ॥
यो वनाहि नन्द हाहि ॥ स सकाहि ॥ यत्र स्यत्री । विविज

मत्र द्वापालिका यना त्रीहि त्रावृत्त ॥ १ ॥ अहि न्ना ॥ न
कालिन्दी जल कलिकला लोके । याधयन् कवि ज्ञापा
नृथा हरनै गवां गली ॥ ८ ॥ कालिन्दी जल सै सग्न
श्रीगला तिलक मियन । कदम्ब पाद यच्छाय सिर्ग वृन्दाव

न कविः ॥ १२ ॥ नत्त हव न सं ल म नत्ता स न य त्रिग्रहं ॥ क
ल्य पादय म श्रुतं ह म म लु यि का गतं ॥ १० ॥ व स न क क स
मा मा द स न री क न दि दू खे । अ व द न गि त्री र म्भु सि
त न स न सा स कं ॥ ११ ॥ स व द स न ल न्म स गि रि प य

न प उ कं । ख लु ग ख लु ग न्म क म क्का सा र य ना प नं ॥
॥ १२ ॥ व णु वा य म हा हा स क न द्वा का न निःख नं ॥
स व लै र न्म री स म्भु जो क लै र हि वी दि री ॥ १३ ॥ क
पू म वा न्म ग य हि रु चं द्वा व स व र्ति हि ॥ द लु वा ॥

I

1862

LIBRARY
OF THE
MUSEUM OF
COMPARATIVE ZOOLOGY
AND ANATOMY
HARVARD UNIVERSITY

अनकनेलापालेद्वयलभित्ति ॥ १७ ॥ नावदाद्वेमुनि
अष्टद्वेदवदाजिवाश्लोक्षीतिस्त्रिगुणावातासुय
मानजनाईन ॥ १८ ॥ यत्तुर्वचिकथद्वेदस्त्रिगुणा
मानव ॥ तिस्रश्चकस्यपुष्पासोददातिवतमोचिर्न ॥

४२
॥ १९ ॥ राजवल्लरुणमतिहवत्सर्वजनप्रिय ॥ अ
तुलाप्रियमाप्नातिसवाग्माजायतेधुर्व ॥ ११ ॥ ॐ
मिलीगमीयगर्तुलायालसुवराईसमाई ॥ ॥
अद्विक्तवधुवदतिनिगनमाहसिनहाड

कमाल द स्या दीर्घे दिन किति सुत तच्च स्व मू
ले सुधीः वाच्यत्याः सति तस्य सुमनसा दत्वा
दिनेत्या धर्तु नाक विषु सुद न ना नृप नृः ॥
नमु स्वयं यथे ॥ नत हि न प्रीव क्रुते न विनृ

सुद ने न स्या र्थेन यथा नाम वाक्त्र लाद र्ही ॥ ॥
॥ नमो ह निह नाया ॥ न नमो ॥ सु नृप नृप वदु
वी सत यथ्य निहा सुनिं दसुया ॥ नमो नृप नृप नृप
यान नाक विन ॥ नमो नृप नृप नृप नृप नृप नृप
निध नमो नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप

सुखं च याथातथ्यं गिरिमतममामनन्ति। गंगामध्वनामकमि
 धावननीलकण्ठं वैकुण्ठकैटरानध्वमभङ्गया। तृतीयशतं सु
 वनं। मृगस्वस्तिकं न। याज्ञा। विष्णुनृसिंहनक्षत्रसुदतयकुपा
 म। गीर्वाणतमिनि। गङ्गुचतुचुष। नायायताम्रवनिवर्ध
 नाङ्गया। याज्ञा। मृग्युज्ज्या। विषमक। ताम्रम। गीर्वा
 कान्तिवीरवसनाम्वदनील। लोच। गीर्वाणतकृतिवसतसिद्धि
 कनाथ। याज्ञा। लक्ष्मीयनमभ्रनिधायुर्महमाद्य। श्रीकृष्णदिग्यसन

श्रीकृदिनाकया (६) । आनन्दकन्दधर ॥ श्रीधनयमनाह । त्याग ॥ सर्वज्ञ
 प्रहियूनसूदनदयदव लय ॥ अथवगपुत्रय ॥ श्री स्वया (६) । श्री श्री । नमो
 बालनृगं कसेल । त्याग ॥ श्रीनामनाथव वम ॥ अथवनावम ॥ नृनमी
 म ॥ अथविषायमथमिनाथ । आनूनमदिते ॥ श्रीकृदयनपुनाम । त्या
 ग ॥ श्रीनिनमिमी ॥ अथजीगकलावसेने ॥ श्रीयनामनसतानतकनि
 नाम ॥ श्रीरुतिनतलव ॥ श्रीयनयुनाम । त्याग ॥ श्रीवीयनयदूय

नवमुदवसुता कयूले (गो) नवृषसुधुज हलनन । गवर्द्ध ना
द्वयगधमयूनी स (गव) लाडा ॥ क्काना निवाचनयिना क धयसमना
न कयति नृद्ध कनु ना कव कस्य पाय । दि (ग) यन लि य थ मा र्द्ध
यक लाय ला सा र ॥ अरुह ना धि क ननत सुया नू मो नो स
दति ना ललितन त्रि कद म्य कन । सनाय का रि गु ल्म द्वि क

कल गाय । कू र्था दि मां मु ऊ म दा प्रय मं नय (ग) अ ॥ ०० कं द्वि
ऊ नु नि ऊ र ह ग ग न सु दे व स लि क य द व नि ग न सै दि ध र्म ना
ऊ ॥ सु भ यि रं द नि रु ना ग ध ना ध ना र्था न दू व न ४ यू न न द्वा य
पि व ऊ नी या ॥ १३ ॥ मृ ग सि न्द्र वा य ॥ रा ध र्म ना ऊ न वि ना ललि
न पु र्व धा ना मा व ली स क ल क स्य वी उ र रु ना । धी ना मु की मु क